शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग

नैक से 'बी' (2.90) ग्रेड की अधिमान्यता प्राप्त महाविद्यालय

कैम्पस न्यूज

वर्ष - 3
अंक - 4
2019-20

जनभागीदारी समिति ने बनाया विकास का ऐजेंडा

महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति बैठक शहर विधायक श्री अरूण वोरा की उपस्थिति में संपन्न हुई। जनभागीदारी समिति की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा ने समिति के सभी नवनियुक्त सदस्यों का परिचय दिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने सभी का स्वागत करते हुए जनभागीदारी व्यवस्था के महत्वपूर्ण उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा महाविद्यालय में किए गए विकास कार्यों का ब्यौरा दिया।

डॉ. ऋचा ठाकुर के पावर प्वाईन्ट प्रस्तुति के द्वारा जनभागीदारी के द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों - व्याख्यान, कार्यशाला, प्रशिक्षण, सामाजिक सरोकार के कार्य, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य जागरूकता कौशल विकास की जानकारी दी। शहर विधायक अरूण वोरा ने विकास कार्यों की सराहना करते हुए कम्प्यूटर लैब हेतु 10 लाख रूपये शीघ्र ही उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होनें अपने उद्बोधन में कहा कि कन्या महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नित नये-नये आयाम गढ़े है। यहाँ का उत्कृष्ट परीक्षाफल एवं अनुशासन अनुकरणीय है। नवीन पदों की स्थापना एवं विज्ञान प्रयोगशाला के लिए सार्थक पहल करने का आश्वासन दिया। समिति की बैठक में रसायनशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, प्राणीशास्त्र प्रयोगशाला में प्लेटफार्म निर्माण एवं जल-प्रदाय व्यवस्था करने। सभी कक्षों में एलईडी लाईट लगाने, वेस्ट मैनेजमेन्ट की व्यवस्था के लिए राशि स्वीकृत की गयी।

अध्यक्ष प्रीति मिश्रा ने कहा कि सभी के सम्मिलित सहयोग से कमियों को दूर करने एवं बेहतर व्यवस्था बनाने प्रयास किया जावेगा। सदस्य रूही अग्रवाल ने कहा कि छात्राओं को कौशल विकास के लिए बेहर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जावेगी जिससे वे रोजगार प्राप्त करने में सफल हो सके।समिति के वरिष्ठ सदस्य कमल रूंगटा ने भी विकास कार्यों की प्रसंशा करते हुए सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहने को कहा। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने समिति के आय-व्यय का बजट प्रस्तुत किया तथा भावी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। महाविद्यालय में आयोजित ''वस्त्र अलंकरण एवं परिधान प्रदर्शनी'' का उद्घाटन भी विधायक अरूण वोरा ने किया। उन्होनें छात्राओं के द्वारा बनाये गए विभिन्न परिधानों की प्रदर्शनी की सराहना की। बैठक में परमजीत सिंह, अंशुल पाण्डेय, सुयश तिवारी, अंकिता स्वर्णकार, अंजू जैन, कविता शर्मा, राजेश शर्मा के साथ ही महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अमिता सहगल, डॉ. के.एल. राठी उपस्थित थे।

विश्व मधुमेह दिवस मनाया गया

हमारी दिनचर्या ही मधुमेह से बचाव का ईलाज है :- डॉ. शिवेन्द्र श्रीवास्तव

यूथ रेडक्रास के तत्वाधान में विश्व मधुमेह दिवस पर संगोष्ठी का महाविद्यालय में आयोजन किया गया। इस अवसर पर मधुमेह के संबंध में सारगर्भित जानकारी से अवगत कराने डॉ. शिवेन्द्र बहादुर श्रीवास्तव का व्याख्यान आयोजित किया गया। यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि मधुमेह के संबंध में अपना उदबोधन देते हुए डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि भारत में सर्वाधिक मधुमेह के पीड़ित है तथा प्रदेश में दुर्ग-भिलाई में सर्वाधिक मधुमेह के रोगी है। उन्होनें छात्राओं को मधुमेह के लक्षणों तथा उससे प्रभावित होने वाले अंगों के संबंध में वैज्ञानिक तथ्यों सहित महत्वपूर्ण जानकारी दी। शरीर के विभिन्न अंग हार्मोन्स के द्वारा प्रभावित होते है। मधुमेह में भी इसकी अधिकता आँख, किडनी, हृदय को सर्वाधिक प्रभावित करती है। इसके बचाव के लिये हमारी दिनचर्या का नियन्त्रण ही श्रेष्ठकर उपाय है। उन्होनें कहा कि मधुमेह की जानकारी बताते ही हमारे सलाहकारों की संख्या बढ़ जाती है। विभिन्न प्रकार के नुस्खों से हम दिगभ्रमित हो जाते है और बीमारी कम होने की बजाय बढ़ती जाती है। हमारा आलस्य और लापरवाही मधुमेह को जन्म देती है। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि खाना मना नहीं है बल्कि खाने पर नियंत्रण जरूरी है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि दिनचर्या के नियंत्रित होने से मधुमेह स्वभाविक तौर पर नियंत्रित हो जाता है। हॉस्पिटल के अधिकारी अभिषेक जैन ने भी हॉस्पिटल में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सम्पादक : डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव

आई.क्यू.ए.सी. का न्यूजलेटर

अपनी बात

दुर्ग संभाग में उच्च शिक्षा के नित नये-आयाम गढ़े गए है। कन्या शिक्षा के क्षेत्र में हमारा महाविद्यालय उत्कृष्ट परीक्षाफल ही नहीं बल्कि - खेलकूद, सांस्कृतिक-साहित्यिक गतिविधियों में भी अग्रणी रहा है।

''कैम्पस न्यूज एक आईना है जो हमारी शैक्षणेत्तर गतिविधियों को प्रदर्शित करती है। हमारा यह मानना है कि जब शिक्षक अभिभावक और विद्यार्थी मिलकर प्रयास करते है। तो सफलता सुनिश्चित रहती है। यह बात इस महाविद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षाफल और उपलब्धियों पर स्पष्ट दिखाई देती है। पैरेंट्स मीटिंग में अभिभावकों के साथ संवाद और छात्राओं के सुझावों ने हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। 'कैम्पस न्यूज की यह अंक हमारी संस्था की प्रगति का ही नहीं हमारी छात्राओं एवं शिक्षकों के संकल्प का लेखा-जोखा है। हमें इस पर गर्व है।

ओड़िसी नृत्य हमारी धरोहर : सोनाली मोहंती

(महाविद्यालय एवं रजा फाउंडेशन का संयुक्त तत्वाधान)

महाविद्यालय एवं रजा फाउंडेशन नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में शास्त्रीय शैलियों की श्रृंखला 'आरंभ' के अंतर्गत बंगलुरू की सुप्रसिद्ध युवा कलाकार सोनाली मोहंती का 'ओड़िसी' शास्त्रीय नृत्य आयोजित किया गया। सोनाली मोहंती अपनी गुरू मधुलिका महापात्रा के बंगलुरू स्थित नृत्यांतर एकेडमी में शिक्षा प्राप्त कर रही है। वे राष्ट्रीय स्तर के मंचों में प्रस्तुति दे चुकी है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि रजा फाउंडेशन द्वारा कला और संस्कृति की धरोहर को समृद्ध करने का बीड़ा उठाया है, और हमारा महाविद्यालय उनकी इस संकल्पना का माध्यम एवं वाहक बना है। यह इस अंचल के लिये गौरव और उपलब्धि है। अपनी प्रस्तुति का आरंभ सोनाली ने मंगलाचरण से किया। अपनी प्रदर्शनकला की अभिव्यक्ति के साथ-साथ उन्होनें छात्राओं से ओड़िसी नृत्य में मुखपरक अभिव्यक्तियों, हस्त मुद्राओं और शारीरिक भंगिमाओं की विशेषता को बताया। उन्होनें पल्लवी और अभिनय का बहुत ही मोहक प्रदर्शन किया। नृत्य विभाग की छात्राओं को मुद्राओं के नाम एवं नमस्क्रिया प्रायोगिक तौर पर सिखाया। बड़ी संख्या में उपस्थित छात्राओं ने बड़े ही उत्साह से उनकी भंगिमाओं और मुद्राओं का अभ्यास किया। सुश्री सोनाली ने त्रिभंगी मुद्रा एवं मयूर गति की विशेषता एवं अंग संचालन में उसका महत्व बताया तथा कहा कि ओड़िसी नृत्य हमारी धरोहर है। इसे सहेजकर रखना हम सबका दायित्व है। नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने कहा कि महाविद्यालय में शास्त्रीय नृत्य शैली भरतनाट्यम की शिक्षा दी जाती है। ओड़िसी नृत्य व प्रदर्शन से छात्रायें मुद्राओं, भंगिमाओं का तुलनात्मक विभेद समझ पाएंगी।

कार्यक्रम में उपस्थित जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा ने कहा कि इस तरह के आयोजन बार-बार कराये जाने चाहिये। जिससे छात्रायें ऐसी पारंपरिक धरोहर के प्रति रूचि दिखा सकें और उनमें सीखने की इच्छा जागृत हो सके। अंत में आभार प्रदर्शन योगेन्द्र त्रिपाठी संयोजक आरंभ श्रृंखला ने किया।

विश्व पर्यावरण दिवस

ग्रीन ऑडिट की समीक्षा और नये प्रस्तावों पर फोकस

ग्रीन आर्मी और एक्वा क्लब की छात्राएँ पुरस्कृत

महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ग्रीन ऑडिट में प्राप्त सुझावों पर हुए कार्यों की समीक्षा की गयी तथा नये प्रस्तावों एवं सुझावों पर चर्चा हुई।

इस अवसर पर ग्रीन आर्मी और एक्वा क्लब की छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि महाविद्यालय कैम्पस में बेहतर पर्यावरण तथा हरियाली हेतु किए जा रहे प्रयासों के लिए ग्रीन ऑडिट कराया गया था जिसमें प्राप्त सुझावों पर सत्र भर कार्य किए गए है। छात्राओं के 'ग्रीन आर्मी' ग्रुप ने पौधरोपण एवं संरक्षण की दिशा में बेहतर कार्य किया है।

ग्रीन आर्मी की कु. रूचि शर्मा, चांदनी चंद्राकर, किरण देवांगन, यामिनी साहू, लुकेश्वरी वर्मा, दुर्गा मेश्राम, कोमल, निधि, मोनिका, ज्योति, काजल, उमा ने परिसर में पौधरोपण के साथ ही समीपस्थ ग्रामीण अंचल में जाकर शाला परिसर में पौधरोपण किया और विद्यार्थियों को प्रेरित किया। महाविद्यालय में गठित एक्वा क्लब की प्रभारी डॉ. सुनीता गुप्ता ने बताया कि एक्वा क्लब में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए अभियान चलाया। परिसर में जल के दुरूपयोग की रोकथाम तथा जलपूर्ति से संबंधित सर्वेक्षण कर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की। क्लब की छात्राओं ने जल सुरक्षा पर जागरूकता अभियान चलाया।

एक्वा क्लब के प्रयासो से जनभागीदारी समिति ने वाटर हॉर्वेस्टिंग की सुविधा महाविद्यालय भवन में उपलब्ध करायी। यूथरेडक्रॉस इकाई ने स्वच्छता और स्वास्थ्य पर आधारित प्रदर्शनी एवं विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की। जल जनित रोगों पर आयोजित व्याख्यान में विशेषज्ञों ने जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सीमा अग्रवाल ने बताया कि रासेयो की छात्राओं द्वारा स्वच्छ कैंपस-स्वस्थ्य कैंपस अभियान के अंतर्गत 'नो पॉलिथीन' तथा साफ-सफाई नियमित रूप से समय सारिणीबद्ध होकर किया जो प्रशंसनीय है। वेस्ट मैनेजमेन्ट के लिए भी ठोस अपशिष्ट का उपचार नियमित रूप से किया जा रहा है। बैठक में ग्रीन ऑडिट के सकारात्मक परिणामों पर प्रसन्नता व्यक्त की गयी। इस अवसर पर प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न सुझाव दिए जिन पर कार्यवाही सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। नये खेलमैदान के चारो-ओर पेड़ लगाने तथा नये भवन के सामने गार्डन विकसित करने का निर्णय लिया गया।

मेडिसिनल प्लांट के लिए जगह चिन्हांकित कर विभिन्न उपयोगी पौधे लगाए जावेगें। इस अवसर पर ग्रीन आर्मी की कु. रूचि शर्मा, कु. चांदनी, यामिनी साहू तथा एक्वा क्लब की पी. सृष्टि, अनिता साहू, मोहिनी शर्मा को पुरस्कृत किया गया। डॉ. सीमा अग्रवाल, डॉ. मुक्ता बांखला, डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े, डॉ. सुनीता गुप्ता, श्रीमती ज्योति भरणे ने पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार तथा सुझाव रखें। अंत में सभी ने स्वस्थ एवं स्वच्छ पर्यावरण के लिये शपथ ली।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। प्राध्यापकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों ने योग की विभिन्न मुद्राओं-आसन का अभ्यास किया। योग आश्रम सेक्टर-10 की प्रशिक्षक श्रीमती सीमा लांबा ने इस अवसर पर कहा कि योग से हम सब निरोग रह सकते है। यदि नियमित रूप से कुछ मिनट का समय भी हम अपने लिए निकाले तो बिमारियाँ से दूर रहेगें और स्वस्थ्य तन और स्वस्थ्य मन के साथ अपना जीवन जी सकेगें। इस अवसर पर उन्होनें पादांगुली नमन, गुल्फ नमन, चक्र, घुर्णन, ताड़ासन, तिर्यक-ताड़ासन, कटि चक्रासन, अग्निसार क्रिया, योग निद्रा का अभ्यास कराया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने इस अवसर पर योग के दैनिक जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया।

ध्यान एक साधना है : डॉ. देशमुख ''तनाव मुक्ति पर कार्यशाला''

यूथ रेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान पर ''तनाव मुक्ति पर एक सप्ताह की कार्यशाला प्रारंभ हुई। महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से आयोजित इस कार्यशाला में सेल्फ मेडिटेशन, रेलेक्सेशन तथा जाब बर्न आउट पर फोकस किया जावेगा।

कार्यशाला प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस भागदौड़ की जिंदगी में बहुत से तनावों का हम सामना करते है। छोटी-छोटी मात्रा में इनसे लाभ होता है क्रियाशीलता बढ़ती है तो जब इसका आधिक्य हो जाए तो यह गंभीर रूप ले लेता है। कार्यस्थल का तनाव हमारी क्षमता और क्रियाशीलता को प्रभावित कर देता है। सात दिवसीय इस कार्यशाला में विशेषज्ञ महत्वपूर्ण जानकारी के साथ इससे बचने के उपाय भी बताएगें। साईंस कॉलेज के डॉ. एस.डी. देशमुख ''ध्यान के महत्व'' पर प्रकाश डालेंगे तो योगाश्रम सेक्टर-10 की श्रीमती सीमा लांबा रेलेक्सेशन पर अभ्यास सहित जानकारी देंगी। मनोविशेषज्ञ डॉ. शमा हमदानी भी तनाव से मुक्ति के उपाय एवं स्वस्थ्य जीवन पर प्रशिक्षण देंगी। कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। शुभारंभ अवसर पर उन्होनें कहा कि तनाव मुक्त जीवन हर कोई जीना चाहता है पर यह तनाव हम पर आता कैसे है और हमे उस पर कितनी प्रतिक्रिया करते है यह महत्वपूर्ण है। ध्यान, योग और विश्राम के सहारे हम तनाव से निजात पा सकते है जो कि हमारी क्रियाशीलता के लिए आवश्यक भी है। ध्यान पर अपने विशेष व्याख्यान में डॉ. एस.डी. देशमुख ने बताया कि ध्यान एक साधना है यदि हम पांच मिनट भी इस पर देते है तो हमें काफी लाभ मिलेगा। विषय-विशेषज्ञ अजित कुमार सिंह ने बताया कि पहले हमें यह जानना जरूरी है तनाव का मूल कारण क्या है। हमारे मस्तिष्क में एक साथ बहुत से ि-वचार चलते रहते है। एक दिन में लगभग 60 हजार से अधिक विचारों से हम जूझते है। हमारा मस्तिष्क लगातार इस उधेड़बून में सक्रिय रहता है जिसे विश्राम की आवश्यकता होती है। हम ध्यान, योग और विश्राम से तनावमुक्त हो सकते है। योग प्रशिक्षक डॉ. दिपाली ने भी इस अवसर पर योग साधना के महत्वपूर्ण टिप्स दिये।

नई शिक्षा नीति पर संवाद
उच्च शिक्षा विकास में सहभागी बनें

महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति के प्रारूप पर चर्चा करने संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की विशेषता इसमें छात्र प्रतिनिधियों की सहभागिता एवं उनके बेबाक विचार रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशीलचन्द्र तिवारी ने कहा कि सामाजिक बदलाव एवं सामाजिक उपयोगिता के लिए पाठ्यक्रम को रूचिकर एवं सीखने की इच्छा जागृत करने वाला होना चाहिए।

देश के समग्र विकास में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। भाषायी और वैचारिक मतभेद की जगह शिक्षा की उपादेयता पर गंभीरता से विचार करना होगा तभी हम युवापीढ़ी को समाज के बदलाव के साथ जोड़कर विकास के मार्ग तय कर सकेंगे। संवाद कार्यक्रम की संयोजक डॉ. ऋचा ठाकुर ने नई शिक्षा नीति पर पावर प्वाईंट प्रस्तुति देते हुए खास-खास बातों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि शिक्षा के अधिकार कानून के दायरे को व्यापक बनाना, राष्ट्रीय शिक्षा आयोग बनाना, बुनियादी साक्षरता, भाषा एवं गणित पर जोर। पुस्तकालय को जीवंत स्वरूप प्रदान करना।

लड़कियों के लिए सुव्यवस्था रेमेडियल शिक्षा पर प्रयास तथा तकनीकि के बेहतर प्रयोग के साथ नई शिक्षा नीति पर कार्य हुआ है। आई. क्यू. ए.सी. की संयोजक डॉ. अमिता सहगल ने जानकारी दी कि 2030 तक सभी उच्च शिक्षण संस्थान में परिवर्तन होगा और वे बहुविषयक होंगे। उन्होंने कहा कि इस नई शिक्षा की नीति में स्वायतता को बढ़ावा दिया जावेगा। वाणिज्य के प्राध्यापक डॉ. के. एल. राठी ने मिशन नालंदा एवं मिशन तक्षशिला की चर्चा करते हुए इसे महत्वपूर्ण कदम बताया। इससे अनुसंधान एवं शिक्षण में गुणवत्ता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयीन शिक्षकों से भी गैर शैक्षणेत्तर कार्य नहीं कराया जाना चाहिए।

महाविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने कहा कि लड़कियों की शिक्षा के लिए और अधिक प्रयास की आवश्यकता है। इस नीति में लड़कियों के लिए नवोदय जैसी व्यवस्था का प्रावधान है। राष्ट्रीय सेवा योजना का विस्तार कर ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के पास राष्ट्रीय सेवा योजना की परियोजना हेतु बजट उपलब्ध कराया जाना चाहिए। छात्रसंघ अध्यक्ष कु. तब्बसुम ने कहा कि नारी सशक्तिकरण में छात्राओं की अहम् भूमिका को देखते हुए छात्राओं के लिए उपयोगी रोजागारोन्मुखी डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट कोर्स सभी महाविद्यालयों में उपलब्ध होने चाहिए जिससे वे अपने पैरों पर पढ़ते-पढ़ते ही खड़ी हो सकने में सक्षम हों।

डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कहा कि उच्च शिक्षा को समावेशी बनाने के लिए लड़कियों के लिए अधिक फेलोशिप की तथा रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों की आवश्यकता है। छात्रवृत्ति की सहज सुविधा तथा प्राथमिक शिक्षा के साथ ही भाषा गणित पर विशेष फोकस किया जाना चाहिए। डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने महाविद्यालयों की स्वायतता एवं नवाचार को बढ़ावा देने के प्रयास किये जाने पर जोर दिया। डॉ. रेश्मा लाकेश ने टीचर एक्सचेंज प्रोग्राम तथा महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में चयन प्रक्रिया पारदर्शिता की आवश्यकता बतलाई। डॉ. बबीता दुबे ने कौशल विकास के साथ पाठ्यक्रम में आवश्यक परिवर्तन पर जोर दिया। डॉ. सीमा अग्रवाल ने परीक्षा प्रणाली में सुधार कर प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने की बात कही। डॉ. डी. सी. अग्रवाल ने 12वीं के बाद स्नातक प्रथम वर्ष के परिणाम में गिरावट पर चिन्ता प्रकट करते हुए इस पर गंभीरता से विचार करने को कहा। डॉ. मीरा गुप्ता ने देश में स्नातक और स्नातकोत्तर का एकीकृत पाठ्यक्रम की आवश्यकता बतलाई। ग्रंथपाल डॉ. रीता शर्मा ने ग्रंथालय के ऑटोमेशन पर जोर दिया। डॉ. सुनीता गुप्ता ने शोध को बढ़ावा देने की नीति की प्रशंसा करते हुए रिसर्च सेंटर विकसित करने की आवश्यकता बतायी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्राऐं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। अंत में डॉ. ऋचा ठाकुर ने आभार प्रदर्शित किया।

कॉलेज में पौधरोपण

पर्यावरण को बचाना हम सभी की जवाबदारी :- अरुण वोरा

महाविद्यालय में वृहद पौधरोपण का शुभारंभ शहर विधायक श्री अरुण वोरा के अतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर श्री अरुण वोरा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में शासन स्तर एवं संस्थागत मुहिम चलायी जा रही है। हम सबकी जवाबदारी पर्यावरण को बचाने की है। पेड़ लगाने और उसकी देखभाल की जरुरत है।

श्री वोरा ने महाविद्यालय की ग्रीन आर्मी की प्रसंशा करते हुए उनके प्रयासो की सराहना की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अतिथियों को पौधे भेंट कर स्वागत किया तथा हरियर परिसर के प्रयासों की जानकारी दी तथा बताया कि महाविद्यालय में वाटर हार्वेस्टिंग स्थापित किया गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं सीमा अग्रवाल ने बताया कि अशोक, कंदब, जामुन, गुलमोहर, सप्तपर्णी के पौधे लगाये गये। पौधो की देखभाल के साथ ही ट्री गार्ड की भी व्यवस्था की गयी है। ग्रीन आर्मी की रुचि शर्मा ने छात्राओं के साथ विभिन्न ग्रामीण शालाओं में जाकर वृक्षारोपण के महत्व को बतलाने एवं पौधरोपण के कार्यक्रम की जानकारी दी। इस अवसर पर पार्षद श्री राजेश शर्मा एवं प्रकाश गीते तथा ग्रीन आर्मी, रा.से.यो. की छात्राओं के साथ प्राध्यापक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बी. कॉम का उत्कृष्ट परीक्षाफल
बी. कॉम प्रथम में 92 फीसदी उत्तीर्ण

महाविद्यालय की छात्राएँ खेल स्पर्धाओं में तो अपना परचम लहराती है। विश्वविद्यालय परीक्षाओं में भी बी.कॉम. की छात्राओं ने कीर्तिमान बनाया है।

बी.कॉम. प्रथम वर्ष का परिणाम 92 प्रतिशत रहा। महाविद्यालय की 328 छात्राएँ शामिल हुई जिसमें 302 उत्तीर्ण हुई, 15 छात्राओं को पूरक की पात्रता मिली है। जबकि स्नातक प्रथम वर्ष का विश्वविद्यालय का परिणाम 47 प्रतिशत रहा है। इसी तरह बी. कॉम. भाग-2 में 91 प्रतिशत छात्राएँ उत्तीर्ण रही। 300 नियमित छात्राओं में 274 उत्तीर्ण हुई। बी.कॉम. भाग-3 में परिणाम 98 प्रतिशत रहा जिसमें शामिल 302 छात्राओं में 53 ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की। इस परीक्षा में कु. स्वाती जैन को 80 फीसदी अंक प्राप्त हुए तो कु. सरिता वासवानी ने 79 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, वाणिज्य

संकाय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. के.एल.राठी, डॉ. विजय वासनिक, डॉ. शशि कश्यप, कु. नेहा यादव, कु. किरण वर्मा ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर और बेहतर परीक्षा परिणाम पर बधाई दी है।

प्रेमचंद जयंती पर कहानी लेखन कार्यशाला

महाविद्यालय में हिन्दी विभाग के द्वारा प्रेमचंद जयंती के अवसर पर स्वरचित कहानी लेखन कार्यशाला का आयोजन किया। आयोजन के मुख्य अतिथि अंचल के व्याख्यात रचनाकार श्री शरद कोकास जी थे एवं अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने की। इस कार्यशाला में महाविद्यालय की 12 छात्राओं ने कहानियाँ लिखीं। एम.ए. हिन्दी की दुर्गा कुमारी, मोनिक यादव एवं विभा कसेर ने बेटियाँ, बुढ़ापा एवं मेहनत की कमाई शीर्षक से कहानियाँ लिखीं। बी.ए. प्रथम वर्ष की साक्षी चौहरिया ने पिंजरे के पंछी, राधा साहू ने मोहन के सपने लिखी। एम.ए. भूगोल की तृष्णा ने निःसंतान एवं तृप्ति ने 'वृद्धाश्रम' शीर्षक कहानी लिखी। होमसाईंस की छात्राएँ वर्षा कुमारी एवं रानू टकिरया ने मेरे पिताजी और किसान की व्यथा एवं वामन लिखी तो बी.एससी की स्नेहल ने गौरी और दिव्या ने लघुकथा लिखी। हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने छात्राओं की कहानियों के विषयवस्तु को रेखांकित किया। उन्होनें इस प्रकार के आयोजनों की आवश्यकता एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा की प्रेमचंद की कहानी गोदान का मूल पक्ष किसान का पक्ष है। जिसमें उसके त्रास, अन्याय का चित्रण है। होरी और धनिया अपार प्रेम भाव से रहने वाले एक प्रेरणादायक चरित्र है। प्रेमचंद ने स्त्री-पुरूष संबंध में साहचर्य का भाव देखा। वर्तमान की समस्याओं में भी हमें प्रेमचंद की रचनाएँ दिखाई देती है जो प्रेरणादयक है। साहित्यकार शरद कोकास ने कहा कि सूक्ष्म पर्यवेक्षण की क्षमता एक रचनाकार की ताकत होती है। सभी बच्चों के अन्दर कहानी कहने की क्षमता होती है इस क्षमता का विकास करने की आवश्यकता है। अपने निरीक्षण क्षमता और जानने की इच्छा को और बढ़ाओ। भाषा पर दक्षता हासिल करो। कहानी कहने का ढंग भी बहुत महत्वपूर्ण है। कहानी का प्लाट (कथानक) होता है। जिसमें पात्रों के बीच संवाद हो तथा वह उद्देश्य को रेखांकित करते हुए समाप्त हो। उन्होनें कहा कि हमारे आस-पास तमाम कहानियाँ विविध विषमताओं विसंगतियों के रूप में पड़ी हुई है। हमें उन्हें महसूस करना है और उसे स्वर देना है उन्होनें छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को सराहा और लेखन आगे जारी रखने की सलाह दी।

बॉस्केटबॉल में गर्ल्स कॉलेज लगातार आठवीं बार चैम्पियन

महाविद्यालय की टीम रूंगटा साईंस एवं टेक्नालॉजी महाविद्यालय कोहका भिलाई द्वारा आयोजित सेक्टर स्तरीय महिला बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। यह प्रतियोगिता लीग आधार पर खेली गई जिसमें जिसमें कन्या महाविद्यालय दुर्ग ने महिला महाविद्यालय सेक्टर-9 को 35-04 से परास्त किया। रूंगटा महाविद्यालय को 4-44 से, सेन्ट थॉमस महाविद्यालय को 02-35 से परास्त कर लीग के सभी मैच जीतकर विजेता हुई। कन्या महाविद्यालय की क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने बताया कि प्रतियोगिता के सभी लीग मैच में कन्या महाविद्यालय के टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

महाविद्यालय की टीम इस प्रकार थी- काजल सिंह (कप्तान) ज्योति, श्वेता सिंह, वेनिला बेन्सन, पी करूणा, अंकु आम्बिलकर, टी दिव्या, के. राजलक्ष्मी थी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं प्राध्यापकों ने टीम को बधाई दी है।

प्रीति मिश्रा जनभागीदारी अध्यक्ष नियुक्त

महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति में श्रीमती प्रीति मिश्रा को जनभागीदारी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

दुर्ग-शहर के विधायक श्री अरूण वोरा के अनुशंसा पर प्रीति मिश्रा की नियुक्ति अध्यक्ष पद पर की गई है। श्रीमती मिश्रा बुनकर सहकारी संस्था तथा एम्बिशन फाउन्डेशन से भी जुड़ी हुई है। श्रीमती मिश्रा के आज महाविद्यालय पहुँचने पर महाविद्यालय परिवार ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक श्री अरूण वोरा भी उपस्थित थे। श्री वोरा ने महाविद्यालय के विकास के लिये हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया तथा कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से विद्यार्थियों के हित में विकास के कार्य किये जायेंगे इसकी अपेक्षा की। अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा ने परिसर में पौधरोपण किया। श्रीमती मिश्रा के नियुक्ति पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने बधाई दी है।

सद्भावना दिवस मनाया गया

महाविद्यालय में सद्भावना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा पृथ्वी पर जीवन के अनिवार्य आधारस्तम्भ के रूप में वृक्षों की उपयोगिता और महत्ता की चेतना प्रसारित की गई। प्राध्यापकों और छात्राओं ने मिलकर महाविद्यालय में वृक्षारोपण किया। छात्राओं ने अपने घरों, गांवों में भी गो-ग्रीन अभियान के तहत अधिकाधिक वृक्षारोपण का संकल्प लिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि प्रकृति को प्रदूषण से मुक्त करने एवं साफ-सुथरा रखना न केवल हमारा कर्त्तव्य है अपितु हमारी जिम्मेदारी भी है। इस बात को महाविद्यालय की छात्राओं ने आत्मसात किया। महाविद्यालय की ग्रीन आर्मी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने परिसर की साफ-सफाई कर अभियान चलाकर इस चेतना को बल दिया। इस अवसर पर सद्भावना थीम के ऊपर छात्राओं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। छात्राओं ने प्रकृति, स्वच्छता, धार्मिक सद्भाव सहित विभिन्न

विषयों पर चित्र बनाए जिनकी प्रदर्शनी भी विभाग में लगाई गई। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी एवं डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. सीमा अग्रवाल ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. अम्बरिश त्रिपाठी ने किया।

शास्त्रीय संगीत के ''आरंभ'' का आयोजन

रज़ा फाऊण्डेशन के संयुक्त तत्वाधान में महाविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द सभागार में शास्त्रीय गायन के कार्यक्रम ''आरंभ'' का आयोजन किया गया। इनलैक्स म्यूजिक अवार्ड और फेलोशिप से सम्मानित कोलकाता की युवा कलाकार शतोविषा मुखर्जी ने एकल शास्त्रीय गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय के छात्र ईश्वर दास महन्त ने हारमोनियम पर तथा मुम्बई से पधारे रामभद्र जी ने तबले पर संगत की।

इस कार्यक्रम और योजना के बारे में प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि '' रज़ा फाऊण्डेशन ने देश के विभिन्न भागों में कला संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों को आयोजित करने की महत्वपूर्ण योजना बनाई है। जिनमें देशभर के विविध कलाक्षेत्रों से संबंधित 40 युवा कलाकारों का चयन किया गया है। इस योजना में छत्तीसगढ़ से शासकीय कन्या महाविद्यालय, दुर्ग को चयनित किये जाने का गौरव प्राप्त हुआ है।'' उन्होनें यह भी बताया कि भविष्य में भी अपनी संस्कृति और परम्परा से युवाओं को परिचित कराने के लिए बांसुरी वादन, चित्रकला एवं नृत्य से संबंधित आयोजन भी रज़ा फाऊण्डेशन के सहयोग से होते रहेगें।

अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायक उल्हास काशलकर जी की शिष्या शतोविषा जी ने रागश्री में 'गुरू बिन कौन आधार' से कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके बाद रागदेश में बंदिश सुनाकर छात्राओं में ऊर्जा का संचार किया। छात्राओं के अनुरोध पर उन्होनें राग जैजेवन्ती में 'ठुमक चलत रामचंद्र बाजत पैजनिया' सुनाकर महफिल में चारचांद लगा दिए। अंत में भैरवी से उन्होनें कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री योगेन्द्र त्रिपाठी ने युवा विद्यार्थियों को अपनी कला संस्कृति और परम्परा से जोड़ने में ऐसे आयोजनों को मील का पत्थर बताया। डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. ऋचा ठाकुर ने आभार ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं सहित डॉ. अनिल जैन, डॉ. मिलिन्द अमृतफले, डॉ. ऋतु दुबे एवं डॉ. यशेश्वरी ध्रुव सहित अनेक प्राध्यापक भी शामिल हुए। चित्रकला विभाग के तत्वाधान में तीन दिवसीय माटी शिल्प कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा के मुख्यअतिथ्य में आयोजित कार्यशाला में छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होनें कहा कि 'माटीशिल्प' की तरह विद्यार्थियों का जीवन है जिसे माता-पिता और गुरु सही आकार देते है। अतएव हमें सदैव उनका ऋणी रहना चाहिए।

नव प्रवेशित छात्राओं के लिये इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित

स्नातक प्रथम वर्ष की नव-प्रवेशित छात्राओं के लिये आई.क्यू.ए.सी. (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) द्वारा इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं को महाविद्यालय की गतिविधियों, उपलब्धियों नियमावली संबंधी दिशा-निर्देश दिये गये। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने महाविद्यालय की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुये कहा कि यह महाविद्यालय अपनी कार्यशैली और अनुशासन के लिये प्रसिद्ध है और यह सब यहाँ पढ़ने वाली छात्राओं और दीर्घ अनुभवी प्राध्यापकों की मेहनत के कारण है। यही उम्मीद नई छात्राओं में भी है कि वे समर्पण, लगन और अनुशासन के साथ महाविद्यालय को नई ऊँचाईयां देंगी। वाणिज्य के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल जैन ने विभाग की गतिविधियों को बताया साथ ही रैगिंग विरोधी गतिविधियों का उल्लेख करते हुये कहा कि यह महाविद्यालय शून्य रैगिंग स्तर पर आता है जो कि सराहनीय है।

इस अवसर पर उन्होनें रैगिंग पर अपनी लिखी कविता का पाठ किया। आई.क्यू.ए.सी. की संयोजक ने प्रकोष्ठ द्वारा संचालित महाविद्यालय की समस्त गतिविधियों एवं उनके प्रभारी प्राध्यापकों का परिचय दिया। साथ ही शिकायत निवारण प्रकोष्ठ महिला स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर विस्तार से बात की। डॉ. ऋतु दुबे ने बताया कि इस महाविद्यालय में छात्राओं को खेलने के लिये सुरक्षित एवं स्वतंत्र वातावरण मिलता है। यही कारण है कि यहाँ राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रवेश लेते है। रासेयो प्रभारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने छात्राओं को एनएसएस एवं अन्य सामाजिक कार्य से जुड़ी गतिविधियों का वर्णन किया। छात्रसंघ प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने छात्राओं द्वारा संचालित ग्रीनआर्मी, कस्तूरबा समूह, एक्वा क्लब की जानकारी दी साथ ही महाविद्यालय की विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं के विषय में बताया। महाविद्यालय की पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष एवं जेण्डर चैम्पियन रूचि शर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुये कहा कि शिक्षक हमारे अभिभावक की तरह है। उनसे हम अपनी शैक्षणिक एवं निजि समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते है।

जलसंरक्षण एवं संवर्धन जरूरी

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत जलसंरक्षण एवं संवर्धन पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। मानव संसाधन विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार 15 सितंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत जलसंरक्षण एवं संवर्धन तथा प्लास्टिक मुक्त वातावरण पर निबंध लेखन, समूह चर्चा तथा पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित की गयी। एक्वा क्लब की प्रभारी डॉ. सुनीता गुप्ता ने बताया कि एक्वा क्लब की छात्राओं ने महाविद्यालय में छात्राओं को जल संवर्धन एवं नो प्लास्टिक पर जागरूकता अभियान चलाया। जल स्त्रोतों के विकास एवं जल की स्वच्छता पर संदेश दिया। इस अवसर पर निबंध स्पर्धा तथा समूह चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। ''जल संवर्धन एवं प्लास्टिक मुक्त वातावरण पर पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने 70 पोस्टर प्रदर्शित किए। प्रदर्शनी का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। डॉ. तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि जल है तो कल है। जल बचाने एवं उसे स्वच्छ तथा संरक्षित रखने की महती आवश्यकता है। जलजनित रोगों की बढ़ती संख्या यह बताती है कि हम जल की स्वच्छता में लापरवाही बरतते है इसके लिए जागरूकता जरूरी है। पोस्टर प्रदर्शनी में बी.एससी भाग-3 की इब्रत आफरीन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि एमएससी रसायन की विनिता साहू तथा बी.एससी-3 की कु. रेशमा बंछोर ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। कु. पी. सृष्टि को विशेष पुरस्कार दिया गया। पोस्टर प्रदर्शनी के निर्णायक डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी, डॉ. ऋचा ठाकुर एवं डॉ. ऋतु दुबे थी।

''कविता पोस्टर प्रदर्शनी''

हिन्दी दिवस के अवसर पर 'कविता पोस्टर प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया। छात्राओं ने स्वरचित एवं प्रख्यात हिन्दी कवियों की कविताओं को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया। निर्णायक मण्डल ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विजेताओं के नामों की घोषणा की। इस अवसर पर हिन्दी परिषद् का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष कु. युक्ति चन्द्राकर, उपाध्यक्ष कु. सुनीता साहू, कोषाध्यक्ष दुर्गा मेश्राम, सचिव कु. विभा कसेर को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर आयोजित समारोह में छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर अपनी प्रस्तुति दी। विभा कसेर, प्रज्ञा मिश्रा, सुनीता साहू, निकिता ने कविता पाठ किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशीलचन्द्र तिवारी तथा प्राध्यापक डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने भी इस अवसर पर संबोधित किया। प्रतिभागी छात्राओं को पुरष्कृत किया गया। डॉ. ज्योति भरणे ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

''डिजिटल लाईब्रेरी पर कार्यशाला''

महाविद्यालय में ई-लर्निंग के तहत डिजिटल लाईब्रेरी की उपयोगिता पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन ग्रन्थालय विभाग द्वारा किया गया। जिसमें महाविद्यालय की ग्रन्थपाल डॉ. रीता शर्मा ने बताया कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक विस्तार हुआ है जिसके अन्तर्गत ई-बुक्स और ई-जर्नल्स की उपयोगिता बढ़ी है।

विद्यार्थियों को देश-विदेश के पुस्तकालयों में उपलब्ध पुस्तकों से परिचित कराने एवं उसका लाभ दिलाने के उद्देश्य से महाविद्यालय का केन्द्रीय ग्रन्थालय लगातार प्रयासरत् है। वर्तमान में महाविद्यालय के पुस्तकालय में ई-बुक्स एवं ई-जर्नल्स की सुविधा उपलब्ध है।

इस कार्यशाला में कॉपी-किताब डॉट कॉम के सौजन्य से ई-लाइब्रेरी के संबंध में सारगर्भित जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी गई। विडियों के माध्यम से लाइब्रेरी की उपयोगिता पर विशेषज्ञों ने छात्राओं एवं प्राध्यापकों को उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि ई-लाइब्रेरी के माध्यम से हम अपने ज्ञान का विस्तार कर सकते है। दुर्लभ साहित्य और नये विज्ञान के ज्ञान को कम समय में प्राप्त कर सकते है। शोध के क्षेत्र में इसका बहुत महत्व है। जिससे हम नये-नये वैज्ञानिक तथ्यों से परिचित होते है। वहीं हमारे शोध में उपलब्ध साहित्य मददगार होता है।

महाविद्यालय ग्रन्थालय विकास समिति की संयोजक डॉ. बबीता दुबे, सदस्य डॉ. निसरीन हुसैन, डॉ. साधना पारेख, डॉ. अनुजा चौहान, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. मुक्ता बाखला ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रीय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती रीता शर्मा, ग्रन्थपाल ने किया।

''माइक्रो टीचिंग की शुरूआत''

महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय के द्वारा माइक्रोटीचिंग (सूक्ष्मशिक्षण) का शुभारंभ किया गया। वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि माइक्रोटीचिंग की अवधारणा सीखने और तकनीक के प्रयोग के सिद्धान्त पर आधारित है। इस विधि से शिक्षण अभ्यास और प्रभावी शिक्षक तैयार किए जा सकते है। इससे शिक्षक कार्य सुगम्य और आसान हो जाता है। विद्यार्थियों में निर्देशात्मक कौशल बढ़ता है। इसके प्रथम दिन एम.कॉम. तृतीय सेमेसटर की कु. दिशा जैन ने बी.कॉम. तृतीय कक्षा में ''मकान संपत्ति से आय'' विषय पर अध्यापन किया।

विषय वस्तु व प्रभावी प्रस्तुतिकरण से छात्राओं के प्राप्त फीडबैक में उन्होनें उत्कृष्ट रैंक मिली। इसी तरह एम.कॉम. तृतीय सेमेस्टर की कु. डिम्पल साहू ने बी.कॉम. भाग-2 की कक्षा में ''कंपनी के प्रकार'' विषय पर अध्यापन कार्य किया। छात्राओं के द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर उन्होनें बेबाकी से दिए जिससे छात्राएं संतुष्ट रहीं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने वाणिज्य विभाग के इस प्रयोग की सराहना करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों में अपने ज्ञान को परिष्कृत करने का अवसर मिला वहीं आत्मविश्वास बढता हैं इसके शिक्षण कौशल के विकास में लाभ होता है। इस अवसर पर डॉ. विजय वासनिक, कु. किरण वर्मा, कु. नेहा यादव, श्री अनिल देवांगन उपस्थित थे।

रासेयो स्थापना दिवस पर स्कूल में चलाया जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने स्थापना दिवस महाविद्यालय में उत्साह से मनाया। पौधरोपण, रैली और जागरूकता अभियान चलाया। शासकीय प्राथमिक कन्या शाला, शिक्षक नगर में विद्यार्थियों के बीच जाकर उन्हें स्वास्थ्य, पर्यावरण की महत्वपूर्ण जानकारी दी।

विद्यार्थियों को रोचक खेलों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। स्कूल की साफ-सफाई तथा पेड़ों के महत्व को बताया। छात्राओं ने 60 बच्चों को लेखन सामग्री दी तथा आयोजित स्पर्धा के पुरस्कार दिये। रासेयो की वरिष्ठ छात्रा कु. रूचि शर्मा ने बताया कि शाला परिवार को पौधे भेंट किए। इस आयोजन में दुर्गा मेश्राम, प्रज्ञा मिश्रा, अंजली शर्मा, क्षमा मिश्रा, अंकिता रूपादास, शायबा, साक्षी, श्रद्धा तथा काजल की सक्रिय भागीदारी रही। रासेयो की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव के मार्गदर्शन में छात्राओं ने रैली निकालकर जागरूकता का संदेश दिया।

कुलपति ने किया 'स्मार्ट क्लास' का शुभारंभ

महाविद्यालय में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा ने स्मार्टक्लास रूम का उद्घाटन किया। उन्होनें अध्ययन-अध्यापन में नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा छात्राओं के लिए नई सुविधाएं उपलब्ध कराने की सराहना की।

इस अवसर पर गृहविज्ञान की छात्राओं ने वरली पेंटिंग पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जिसका कुलपति ने शुभारंभ किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि महिला बाल विकास बोर्ड के तत्वाधान में छात्राओं के लिए प्रारंभ 5 दिवसीय पोषण आहार प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी डॉ. अरूणा पल्टा ने अवलोकन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्राओं को विभिन्न खाद्य समाग्रियों की बनाने की विधि एवं उसे संरक्षित रखने के उपायों की प्रायोगिक जानकारी दी गई।

इस अवसर पर यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने कुलपति डॉ. पल्टा का स्वागत किया तथा मेडिकल सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं तथा उपलब्धियों के बारे में बताया। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी कि सेन्टर द्वारा मेगा हेल्थ कैम्प के माध्यम से छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों का मार्गदर्शन, सेमीनार आयोजित किया जाता है। क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने महाविद्यालय की छात्राओं के राष्ट्रीय स्तर पर अर्जित की गई उपलब्धियों की जानकारी दी। कुलपति महोदया ने संगीत, नृत्य एवं चित्रकला विभाग का भी अवलोकन किया और छात्राओं से जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर डॉ. अमिता सहगल, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. मिलिन्द अमृतफले एवं डॉ. अनिल जैन तथा प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

नानी संग गोठ का आयोजन

महाविद्यालय में ''वुमेन सेल'' के तत्वाधान में ''बदलते सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों पर चर्चा हेतु नानी संग गोठ'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में कार्यक्र म की संयोजक एवं संचालक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि आज बदलता सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्य हमारी युवा पीढ़ी को अत्यधिक प्रभावित कर रहा है। आज युवाओं की मानसिकता बदल रही है। बदलते परिवेश में आज नारी पुरूषों से कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है। आज की नारी सशंकित नहीं सशक्त है। इन सबके बावजूद क्यों ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हो जाती है। जब हमारा आत्मविश्वास और साहस को चुनौती मिलती है।

इस आयोजन में तीन पीढ़ियों को शामिल किया गया। नानी, मम्मी और बेटी। कार्यक्रम के प्रारम्भ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं प्राध्यापकों ने सभी अतिथियों का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान किया। वरिष्ठ महिलाओं में श्रीमती संजीवनी श्रीवास्तव, श्रीमती वनमाला झा, श्रीमती एस.एस सिद्दकी, श्रीमती मनोरमा चौहान एवं श्रीमती ऐडिना मैरी फर्नान्डीस ने हिस्सा लिया।

अपने विचार रखते हुए संजीवनी श्रीवास्तव ने कहा कि बेटियाँ घर की रौनक है। वे घर में उमंग और उत्साह लाती है। बेटियाँ मायके से संस्कार लाती है जो दो परिवार को जोड़ता है। हमारे समय में संयुक्त परिवार हुआ करते थे। जहाँ अनुशासन, त्याग और प्रेम रहता था। संस्कार ही परिवार की पहली पाठशाला है। हमारे समय में जीवन में इतनी भागदौड़ नहीं थी। एक अच्छा सामाजिक परिवेश था। पर आज मुझे यह देखकर चिन्ता होती है कि नई पीढ़ी किस तरफ जा रही है। संगोष्ठी में हिस्सा लेते हुए एम.एससी की कु. शिल्पी ने कहा कि - पहले के समय की तुलना में आज लड़कियां अपने आपको ज्यादा असुरक्षित महसूस करती है ऐसा क्यों? इसका जवाब देते हुए संजीवनी श्रीवास्तव ने कहा कि आज के परिवेश में असुरक्षित परिधान और निरंकुशता के कारण हमें कई दफे परेशानियों को सामना करना पड़ता है। महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. ऋचा ठाकुर ने कहा कि संस्कार पीढ़ी दर पीढ़ी आते है और हम लोग सारे सुधार की कवायद बेटियों के लिये करते है। अपेक्षाओं भी उन्हें से करते है पर बेटों को इन सबसे अलग रखते है। श्रीमती एस.एस. सिद्दकी ने कहा कि चाहे लड़का हो या लड़की संस्कार तो परिवार से ही मिलता है। और परिवार में माँ से बेहतर कोई मार्गदर्शक नहीं होता। उन्होनें कहा कि आज की पीढ़ी कॅरियर के प्रति जागरूक है उसे अपने कॅरियर के साथ-साथ परिवार की भी जिम्मेदारी के लिये मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिये।

श्रीमती वनमाला झा ने भारत की प्रमुख हस्तियों श्रीमती इन्दिरा गांधी, मदर टेरेसा और किरण बेदी का जिक्र करते हुए कहा कि इनका संघर्ष कम नहीं था और आज इन्होनें हम सबके लिये एक आदर्श प्रस्तुत किया है। गृहविज्ञान की छात्रा रानू टिकरिया ने कहा कि - हमें दो जनरेशन को लेकर चलना है और आप सबका अनुभव हमारी पीढ़ी को आगे का मार्ग दिखायेगा। इस अवसर पर श्रीमती मनोरमा चौहान, श्रीमती फर्नान्डीस ने भी छात्राओं को अपने अनुभव से परिचित कराया। छात्राओं की ओर से कु. हिमानी, कु. निकिता साहू, कु. यामिनी साहू, कु. रेशमा साहू ने अपने विचार रखे तथा नानियों से प्रश्न भी पूछे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि वुमेन सेल की यह पहल प्रसंशनीय है। जिसने तीन पीढ़ियों को चर्चा के लिये एक मंच प्रदान किया। इस चर्चा में सामाजिक परिवेश, शिक्षा और ज्ञान के साथ व्याप्त विसंगतियों को भी दूर करने के उपायों पर सारगर्भित चर्चा हुई। आभार प्रदर्शन डॉ. ज्योति भरणे ने किया।

फल एवं सब्जी परिरक्षण कार्यशाला आयोजित

फल एवं सब्जी परिरक्षण कार्यशाला आयोजित महाविद्यालय में कौशल विकास के तत्वाधान में खाद्य एवं पोषण बोर्ड, रायपुर द्वारा पांच दिवसीय फल एवं सब्जी परिरक्षण तथा पोषण कार्यशाला का आयोजन किया गया। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के द्वारा प्रायोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महाविद्यालय में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिये आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में छात्राओं को फल एवं सब्जी द्वारा निर्मित खाद्य पदार्थ बनाना सिखाया गया। तथा उन्हें साल भर तक सुरक्षित रखने के लिये परिरक्षण विधि बताई गई। इस कार्यशाला में छात्राओं ने मिक्स आचार, इमली सॉस, टमाटर सॉस एवं चटनी, पौष्टिक बर्फी तथा विभिन्न प्रकार के पोषक व्यंजन बनाकर दिखाये। कार्यशाला में प्रशिक्षक मनीष यादव ने छात्राओं को आहार तालिका, खून की कमी से बचाव, स्वच्छता, पोषण आदि विषय पर भी जानकारी दी। साथ ही इस कार्यशाला में स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत हाथ धुलाना सिखाया गया व स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के अंतिम दिन स्वच्छता और पोषण पर रैली निकालकर लोगों तक संदेश पहुँचाया गया। इस अवसर पर पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विजेता छात्राओं को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने पुरस्कार प्रदान किये गये। शासन द्वारा निर्धारित मानदेय राशि व प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। कार्यशाला में खाद्य एवं पोषण बोर्ड, रायपुर के प्रभारी मनीष यादव व सहयोगी चेतन पटेल तथा कौशल विकास केन्द्र की संयोजक डॉ. बबीता दुबे का सक्रिय योगदान रहा।

अनिंदिता बनी छात्रसंघ अध्यक्ष

महाविद्यालय में छात्रसंघ का प्रावीण्यता के आधार पर मनोनयन किया गया।

एम.एस.सी गृहविज्ञान तृतीय सेमेस्टर की अनिंदिता विश्वास को अध्यक्ष पद की कमान सौपी गयी है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्रसंघ पदाधिकारियों के मनोनयन की विधिवत घोषणा की।

उपाध्यक्ष पर पर प्रथम सेमेस्टर एम.एस.सी रसायनशास्त्र की कु. नेहा मनोनीत हुई, कु. छाया सोनी बी.एस.सी भाग-3 सचिव तथा कु. भोमिका साहू बी.एस.सी भाग-2 सहसचिव बनाई गयी है। इसके साथ ही 45 कक्षा प्रतिनिधि भी मनोनीत किए गए।

छात्रसंघ प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया की कु. अनिंदिता, कु. छाया सोनी पिछले सत्र में भी प्रावीण्य क्रम के अनुसार छात्रसंघ के पदों पर मनोनीत हुई थी और उन्होने अपनी प्रावीण्यता बनाये रखी है।

नव मनोनीत छात्रसंघ अध्यक्ष कु. अनिंदिता ने इस अवसर पर कहा की जो दायित्व दिया गया है। उस पर वे खरी उतरेगी तथा महाविद्यालय के लिए पूरा छात्रसंघ समर्पित होकर कार्य करेगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी है।

गाँधी जयंती के अवसर पर मानव श्रृंखला बनाई

महाविद्यालय में गांधी जयंती 2 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्राओं तथा प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने मानव श्रृंखला बनाई और स्वच्छ भारत का संकल्प लिया।

विद्यार्थियों द्वारा बनाये गए पोस्टर और रंगोली स्पर्धा का अवलोकन निर्णायकों ने किया तथा परिणाम की घोषणा की गई।

आयोजित संगोष्ठी में कु. प्रज्ञा मिश्रा एवं कु. रूचि शर्मा ने गांधी जी के आदर्श एवं सिद्धान्तों पर अपने विचार रखे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने भी इस अवसर पर संबोधित किया।

छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने परिसर की साफ-सफाई की।

उपकरण एवं तकनीक पर कार्यशाला

महाविद्यालय में प्राणीशास्त्र विभाग के द्वारा अकादमिक सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत व्याख्यान और कार्यशाला आयोजित की गयी।

'उपकरण एवं तकनीक पर 7 दिवसीय कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञों ने उपकरणों की कार्यप्रणाली पर विद्यार्थियों को जानकारी दी। विभागाध्यक्ष डॉ. निसरीन हुसैन ने जानकारी देते हुए बताया कि आधुनिकतम माइक्रोस्कोप एवं क्रोमेटोग्राफी से संबंधित तकनीक पर भिलाई महिला महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. दिप्ति चौहान एवं डॉ. भावना पाण्डेय ने छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी। डॉ. दिप्ति चौहान ने माइक्रोस्कोपिक इलेक्ट्रोफोरेसिस एवं इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की कार्यविधि से छात्राओं को परिचित कराया।

डॉ. भावना पाण्डेय ने क्रोमेटोग्राफी तकनीक एवं मिडिया प्रिप्रेशन पर सारगर्भित जानकारी दी। 7 दिवसीय कार्यशाला के समापन पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के द्वारा महाविद्यालय की प्रयोगशाला को उन्नत बनाने नये-नये उपकरण उपलब्ध कराये गये है। जिससे विद्यार्थी लाभान्वित होगें। इन उपकरणों के संबंध में जानकारी प्रदान करने तथा सीखने के लिए विषय-विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। उन्होनें बताया कि शोध क्षेत्र में भी अब महाविद्यालय की प्रयोगशालाएँ उन्नत हो गयी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लता मेश्राम ने किया। कार्यशाला के समापन पर विषय-विशेषज्ञों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

''सौन्दर्य के क्षेत्र में स्वरोजगार''

महाविद्यालय में एलुमिनी ऐसोसिएशन के तत्वाधान में ''सौन्दर्य के क्षेत्र में स्वरोजगार'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की भूतपूर्व छात्राएँ कु. ममता शर्मा, रिंकू चक्रवर्ती व ममता कुमार विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रही। कार्यशाला का उद्देश्य सौन्दर्य क्षेत्र में होने वाले व्यापक परिवर्तनों से छात्राओं को परिचित कराना था। इस अवसर पर संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में हर क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहा है। विशेषकर सौन्दर्य के रखरखाव व देखभाल करने में अतः छात्राओं को अपडेट होना आवश्यक है। उक्त कार्यशाला में सौन्दर्य के विभिन्न क्षेत्रों में स्वरोजगार की जानकारी दी गई जैसे पार्लर मैकअप, हेयर कटिंग, हेयर स्पा एवं मसाज सौन्दर्य से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं उनके कारण के निदान की जानकारी दी गई। साथ ही स्वरोजगार उन्मुखीकरण हेतु मार्केटिंग टेक्नीक, क्लाइंट डीलिंग, सेलून मैनेजमेन्ट, प्रोडक्ट जानकारी, लाइव वर्क्स एक्सपीरियंस आदि की जानकारी दी गई।

कु. ममता शर्मा ने बताया कि स्वरोजगार के क्षेत्र में सौन्दर्य प्रसाधन एवं पार्लर की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी

शरीर के विभिन्न अंगों आंख, हाथ, पैर की सुरक्षा एवं स्वस्थ रखने के लिये विभिन्न प्रकार की व्यायाम सफल हुए है।

इस अवसर पर एलुमिनी एसोसिएशन के डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, श्रीमती ज्योति भरणे, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. मुक्ता बाखला आदि उपस्थित थी।

उद्यमिता जागरूकता शिविर संपन्न

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत शासन, नई दिल्ली द्वारा प्रवर्तित तीन दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन छत्तीसगढ़ इण्डस्ट्रियल एण्ड टेक्नीकल कंसल्टेंसी सेंटर (सिटकॉन), रायपुर (सिटकॉन) द्वारा शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्ना. महाविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र के और जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के मार्गदर्शन में विज्ञान एवं तकनीकी विषयों की छात्राओं को उद्यमिता के क्षेत्र से परिचित कराने हेतु किया गया।

उद्यमिता जागरूकता शिविर का औपचारिक उद्घाटन माननीय डॉ सुशील चन्द्र तिवारी, प्राचार्य, श्री योगेश शर्मा, श्री सुप्रभात शील एवं केदारनाथ गालव, सिटकॉन के विशिष्ट आतिथ्य और कौशल विकास केंद्र की संयोजक डॉ. बबीता दुबे की संचालन में दिनॉक 10 अक्टूबर 2019 को हुआ था। प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यक्रम के औचित्यता पर प्रकाश डाला

इस कार्यक्रम में श्री योगेश शर्मा, श्री सुप्रभात शील एवं केदारनाथ गालव आदि विषय विशेषज्ञो द्वारा व्याख्यान दिया गया। प्रतिभागियों को औद्योगिक भ्रमण में क्रेजी मेकर्स बेकरी इण्डस्ट्री में ले जाया गया जहॉ उन्होने उद्योग के बारे विस्तार पूर्वक प्रैक्टिकल अनुभव प्राप्त किया।

सिटकॉन द्वारा सभी 70 प्रतिभागियों को कार्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन पर प्रमाण पत्र वितरित किया गया। छात्राओं ने अपना अनुभव व फीडबैक दिया। कौशल विकास केन्द्र की संयोजक डॉ. बबीता दुबे, ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया।

''पारम्परिक अल्पना'' - कार्यशाला

महाविद्यालय में भूतपूर्व छात्रासंघ समिति के तत्वाधान से पारम्परिक अल्पना बनाने पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भूतपूर्व छात्रासंघ समिति की संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि अल्पना भारतीय कला एवं संस्कृति का अनुठा एवं उत्कृष्ठ नमूना है। पौराणिक युग से ही विशेष अवसरों जैसे तीज-त्यौहार आदि पर भारतीय नारियाँ- चावल का आटा, हल्दी, रोली, सिन्दूर, गेहूं का आटा आदि से विभिन्न प्रकार की अल्पनाओं को बनाती थी एवं अपने भीतर छिपे भावों को अभिव्यक्त करती थी।

आज भी विभिन्न धार्मिक पर्व एवं त्योहारों के अवसर पर अल्पना बनाती है। अल्पना अर्थात् मन के भीतर छिपे भावों को कलात्मक रूप देना है। उंगलियों के माध्यम से बनाई गई कलात्मक चित्रकारी को अल्पना कहते है। महाविद्यालय की भूतपूर्व छात्रा डॉ. जया साहू ने विषय-विशेषज्ञ के रूप में अल्पना से संबंधित विस्तृत जानकारी दी तथा इसमें लगने वाली सामग्री, नमूने, रंग व्यवस्था एवं रेखाओं, ज्यामितीय डिजाईन का उपयोग करके पशु-पक्षी, फूल-पत्तियों आदि के नमूने बखुबी बनाये जाते है। पहले अल्पना पीसे हुए चावल के आटे को जल से घोलकर ही बनाया जाता था, परंतु अब इसे बनाने में गेरू मिट्टी, खड़ियाँ, वाटर कलर, फैब्रिक कलर, जींक पावडर का भी उपयोग किया जाने लगा है, साथ ही रंग समायोजन का भी ध्यान रखना चाहिए। डॉ. ज्योति भरणे ने अल्पना बनाने के समय ध्यान देने वाली योग्य बातों

का जानकारी दी और कहा कि अल्पना फर्श सज्जा का बहुत सुदर माध्यम है। महाविद्यालय द्वारा समय-समय पर भारतीय कलाओं को सिखाने हेतु इस तरह के आयोजन किया जाता है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. बबीता दुबे, डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. ऋतु दुबे, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी, डॉ. मिलिन्द अमृतफले आदि उपस्थित रहे।

कॉलेज के 3 खिलाड़ी राज्य हेतु चयनित

महाविद्यालय के तीन खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय एथलेटिक प्रतियोगिता हेतु हुआ। यह प्रतियोगिता दिनांक 22 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2019 तक शासकीय वल्लभाचार्य महाविद्यालय में आयोजित है।

कु. प्रियंका साहू - 1500 मीटर दौड़ एवं 800 मीटर दौड़ में जिला स्तर पर प्रथम रही, कु. रितिका माहुरकर, तार गोलाफेक में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य हेतु चयनित हुई, कु. पायल नेताम गोला फेक में प्रथम स्थान प्राप्त कर दुर्ग जिले की टीम में चयनित हुई। इसके अतिरिक्त सेक्टर लेवल एथलेटिक प्रतियोगिता में महाविद्यालय की धनेश्वरी साहू ऊँची कूद में द्वितीय, कु. पूजा यादव - 1500 मीटर एवं 800 मीटर में तृतीय स्थान, पायल नेताम ने तार गोला फेक में तृतीय स्थान प्राप्त किया, टीम मैनेजर डॉ. ऋतु दुबे थी। यह प्रतियोगिता सुरना महाविद्यालय द्वारा आयोजित की गई थी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं प्राध्यापकों ने खिलाड़ियों को बधाई दी है।

कु. रितिका माहुरकर,

कु. प्रियंका साहू

कु. पायल नेताम

कॉलेज के 12 खिलाड़ी पुरस्कृत

महाविद्यालय की सर्वाधिक खिलाड़ियों को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित खिलाड़ी सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

सत्र 2018-19 में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय ईस्ट जोन महिला बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। जिसमें कन्या महाविद्यालय की आठ खिलाड़ी सम्मिलित थी, विश्वविद्यालय के नियमानुसार ईस्ट जोन में प्रथम स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को 15 हजार रूपये (व्यक्तिगत), मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। ईस्ट जोन प्रतियोगिता गुवाहाटी (असम) में आयोजित की गई थी। उपरोक्त सभी खिलाड़ी विभिन्न शालेय राष्ट्रीय, ओपन एवं फेडरेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं एवं पुरस्कृत हो चुकी हैं।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, उत्तरप्रेदश में आयोजित ईस्ट जोन हैण्डबाल प्रतियोगिता में महाविद्यालय की पांच खिलाड़ी छात्राओं ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया एवं यह टीम ईस्ट जोन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पर रही। प्रत्येक खिलाड़ियों को 12 हजार रूपये चेक, मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय की कुल 12 खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। ये खिलाड़ी है- काजल सिंह, टी.दिव्या, पी.करूणा, अंकू अंबालिकर, मेघा सिंह, वेनिला वेन्सन, के. राजलक्ष्मी (सभी बॉस्केटबॉल), इंदु कुमारी, दुर्गा स्वामी, रेवती, ए.प्रिया राव, रेशमा सोनानी (सभी हैण्डबॉल) महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं प्राध्यापकों ने खिलाड़ियों को बधाई दी है।

''ड्राईव्स/प्रेरणा'' पर व्याख्यान

महाविद्यालय में भूतपूर्व छात्रासंघ के तत्वाधान में ''ड्राईव्स/प्रेरणा'' पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। म्हाविद्यालय की भूतपूर्व छात्रा कु. गजाला सिद्दकी ने बताया कि डाईव्स/प्रेरणा किसी एनीमल या व्यक्ति के शरीर के अन्दर अज्ञात आंतरिक क्रिया तथा वह शक्ति होती है जिसके फलस्वरूप वह कोई निश्चित कार्य करने के लिये उत्तेजित होता है। व्यक्ति के किसी एक दिशा में कार्य करने की उत्तेजना मिलना ही प्रेरणा है। जिससे वह व्यक्ति कार्य करने लगता है। यह क्रियायें उस समय तक चलती रहती है जब तक कि वह एक उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर लेता। महाविद्यालय की भूतपूर्व छात्रा कु. अमिता बंजारे ने बताया कि किसी निश्चित कार्य को करने के लिये उत्तेजना भावना या इच्छा या मोटिवेशनल बिहेवियर व्यक्ति को निश्चित दिशा में कार्य करने हेतु प्रेरित करता है अर्थात् ड्राईव्स मोटिवेशनल फैक्टर होते है। इस व्याख्यान में डॉ. रेशमा लाकेश एवं डॉ. लता मेश्राम उपस्थित थे।

माटी शिल्प कार्यशाला प्रारंभ

चित्रकला विभाग के तत्वाधान में तीन दिवसीय माटी शिल्प कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा के मुख्यअतिथ्य में आयोजित कार्यशाला में छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होनें कहा कि 'माटीशिल्प' की तरह विद्यार्थियों का जीवन है जिसे माता-पिता और गुरू सही आकार देते है। अतएव हमें सदैव उनका गणी रहना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने माटीशिल्प कार्यशाला के चौथे वर्ष में छात्राओं की बढ़ती भागीदारी की प्रसंशा करते हुए इसे रोजगोरोपयोगी तथा प्रतिभाओं को निखारने का माध्यम बताया। आयोजन सचिव डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि आज से इको फ्रेंडली गणेश की मूर्ति बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सुप्रसिद्ध कलाकार राजेन्द्र सोनगुरिया के निर्देशन में छात्राएँ मिट्टी के गणेश बनाने का प्रशिक्षण ले रही है। इन मूर्तियों को प्राकृतिक रंगों से रंगा जावेगा तथा इसे छात्राएँ अपने घर ले जावेगी। इस अवसर पर श्री धनंजय पाल तथा सुनीता डोंगरे भी कार्यशाला में छात्राओं को मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। पहले दिन 250 मूर्तियाँ बनाई गयी।

कॉलेज की यूथरेडक्रॉस की छात्राओं ने ''दादी-नानी संग दिन गुजारा''

महाविद्यालय की यूथरेडक्रॉस की छात्राओं ने दादी-नानी संग दिन गुजारा, उन्होनें सिर्फ न बातचीत की बल्कि गीत-संगीत एवं नृत्य भी किया।

नानी श्रीमती माधुरी विश्वास ने छात्राओं को पढ़ाई, कॅरियर को प्रथम प्राथमिकता देने की समझाईश दी। सभी बुजुर्गों ने अपने जीवन के मधुर एवं कटु अनुभव सांझा किये। यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेश्मा लाकेश ने बताया कि महाविद्यालय विगत कई वर्षों से पुलगांव स्थित वृद्धाश्रम से जुड़ा है और छात्रायें नियमित रूप से यहां आकर जन्मदिन एवं विभिन्न त्यौहार मनाती है। उन्होनें कहा कि मानव जीवन, विकास की एक सतत् एवं स्वभाविक प्रक्रिया है, जिसकी लम्बी श्रृंखला माता के गर्भ से प्रारंभ होकर वृद्धावस्था को पार करती हुई मृत्यु को प्राप्त करती है। इसमें वृद्धावस्था जीवन का आखरी एवं अंतिम पड़ाव है। परम्परागत सामाजिक व्यवस्था में वृद्धजनों को आदर एवं सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था, परन्तु वर्तमान में बदलती सामाजिक एवं पारिवारिक दशा के कारण अनेक समस्याओं ने जन्म लिया है।

डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने जानकारी दी कि वृद्धजनों की समस्याओं को देखते हुए बालकों तथा महिलाओं की तरह ही, इन्हें भी समाज की कमजोर कड़ी के रूप में प्रत्येक देश में मान्यता प्राप्त हो चुकी है, साथ ही वृद्धावस्था में अनेक समस्यायें संतान के साथ संबंध में तनाव, एकाकीपन, मान-सम्मान एवं सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी, आय का कम हो जाना, सक्रिय सेवा से सेवानिवृत्ति, अधिकारों में कमी, खाली समय की उपयोग की समस्या, स्वास्थ्य संबंधी समस्या, क्रियाशीलता में कमी, मानसिक शक्ति क्षीण होना, मानसिक तनाव, अनिद्रा आदि।

डॉ. अल्का दुग्गल ने इन समस्याओं का समाधान बताया कि इस अवस्था में सामाजिक सुरक्षा, पेंशन व्यवस्था, वृद्धाश्रम की स्थापना, चिकित्सा सेवा, मनोरंजन, उचित सम्मान एवं सुखद पारिवारिक वातावरण आदि है।

यूथरेडक्रॉस वालेन्टियर - एकता, ऊषा, सिमरन, पायल साहू, ज्योति यादव, सीमा यादव, आरती, विनु सेन, यामिनी, चित्रलेखा ने अपनी सहभागिता की।

''स्वच्छता सर्वेक्षण'' में गर्ल्स कॉलेज को द्वितीय स्थान'

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा वृहद् स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा जिला स्तरीय स्वच्छता सर्वेक्षण में इस महाविद्यालय को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय द्वारा मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। छात्राओं ने नगर पालिका निगम द्वारा गाजर घास उन्मूलन, गांधी जयंती पर स्वच्छता पर पूरे परिसर की साफ-सफाई की गई। पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को जागरूक किया। छात्राओं के द्वारा रैली निकालकर जनता को जागृत किया। छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने परिसर को स्वच्छ बनाने में विशेष सहयोग दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने भी इस अवसर पर संबोधित किया।

छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने परिसर की साफ-सफाई की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं प्राध्यापकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई को बधाई दी है।

''कैम्पस टू कॉर्पोरेट थ्रू - आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस'' पर संवाद

महाविद्यालय में वूमेन सेल के तत्वाधान में ''कैम्पस टू कॉर्पोरेट थ्रू - आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस'' पर संवाद का आयोजन किया गया। युवाओं की अपरिमित श्रमशक्ति का राष्ट्र निर्माण में उपयोग करने के लिये रोजगार सृजन के क्षेत्र में अभी और ठोस कार्यक्रम बनाने की आवश्यकता है। बेराजगारों की बढ़ती संख्या की अनियंत्रित भीड़ बन जाने का डर हर पल एक चुनौती कर रहा है, अगले बीस वर्षों में एआई- ''आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस'' हमारे काम करने का अंदाज बदल देगा। इसी बदलाव की तैयारी हेतु ''कैम्पस टू कॉर्पोरेट थ्रू - आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस'' पर संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि एआई को लेकर अनेक भ्रांतियां है, एआई के कुछ रूप काफी चतुर दिखाई देते है परन्तु यह अवास्तविक है कि एआई मानव बुद्धि की बराबरी कर सकता है। भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए युवाओं को अपडेट होना आवश्यक है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि नई स्कील सीखने से जीवन में बदलाव आयेगा और इसके लिये छात्राओं को हमेशा तैयार रहना चाहिये। इससे कॅरियर में आगे बढ़ने के लिये अवसर मिलते है। कार्यक्रम के विषय-विशेषज्ञ श्री संजय अष्ठकार ने बताया कि अगर आने वाले वर्षों में खुद को सफल बनाना है तो समय रहते कुछ खास स्कील्स को सीख लेना चाहिये। विशेषकर मशीन लर्निंग से संबंधित, डेटा हैण्डल करने की कला, डेटा एडवाईजरी एण्ड एनालिसिस आदि। श्री सूरज सिंह ने सेल्स स्कील्स, मल्टीट्यूड स्कील्स जैसे रिलेशन बिल्डिंग, टाईम मैनेजमेन्ट, कम्यूनीकेशन स्कील्स, उत्पादन संबंधी जानकारी, डिमान्सट्रेशन एण्ड नेगोशियेसन पर विस्तृत जानकारी दी। श्री राहुल शुक्ला ने कस्टमर सक्सेस एण्ड फुल स्टेक डेवलपमेन्ट को समझाया। डॉ. ज्योति भरणे ने महाविद्यालय में लगातार छात्राओं के विकास हेतु होने वाले आयोजनों का छात्राओं का सदुपयोग करने का सुझाव एवं धन्यवाद दिया।

प्री-मैराइटल काउन्सलिंग फॉर गर्ल्स

महाविद्यालय में यूथ रेडक्रास इकाई के तत्वाधान से प्री-मैराइटल काउन्सलिंग फॉर गर्ल्स का आयोजन किया गया। संयोजक एवं यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि काउन्सलिंग के माध्यम से युवा छात्राओं को विवाह के पूर्व काउन्सलिंग कर सशक्त व स्वस्थ रिश्तों को आरम्भ कर स्थायी एवं संतुष्ट वैवाहिक जीवन प्रदान किया जाता है। इसके द्वारा स्वयं के कमजोर पक्षों का भी ज्ञान होता है, जो कि विवाह के बाद प्रायः समस्या उत्पन्न कर विवाह विच्छेद जैसे कारणों को जन्म देता है। वर्तमान में युवा पीढ़ी कॅरियर को प्रथम प्राथमिकता दे रही है परन्तु विवाह भी महत्वपूर्ण एवं समाजिक आवश्यकता है। अतः छात्राओं को अपने वैवाहिक जीवन में सामंजस्य स्थापित कर सफलता अर्जित करने हेतु यह आयोजन किया गया है। डॉ. अल्का दुग्गल ने बताया कि प्री-मराइटल काउन्सलिंग में विभिन्न पक्षों जैसे- आर्थिक, मूल्यों, निर्णय, समय, आपसी सम्बन्धों, अपेक्षाओं आदि पर बात कर सकते है। एक्सपर्ट एवं काउन्सलर डॉ. शमा हमदानी ने पूर्व विवाह परामर्श के महत्व को बताया कि किस तरह संवाद के माध्यम से वास्तविकता और अपेक्षाओं को मूर्त रूप दिया जा सकता है क्योंकि हर परिवार में कुछ न कुछ असमानताएं होती है जिस परिवार से हमारा सम्बन्ध होता है उसी के अनुसार अपने आपको ढालना चाहिये क्योंकि जितनी जल्दी सामंजस्य स्थापित होगा उतना ही सफल पारिवारिक जीवन होगा। छात्राओं ने अपने विचार एवं प्रश्न रखें, जैसे - कु. सिमरन सिंह ने जानना चाहा कि विवाह की आवश्यकता और वधू से ही सारी अपेक्षाएं क्यों होती है? पायल साहू को वधू के वर के घर जाने पर आपत्ति थी? वर्षा ने विवाह हेतु क्या-क्या तैयारी करने के बारे में जानकारी चाही। कु. एकता कौमार्य ने पूछा कॅरियर एवं घर-परिवार के साथ कैसे सामंजस्य स्थापित करें? आदि अनेक गंभीर प्रश्न एवं जिज्ञासायें सामने आयी। डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र के मार्गदर्शन में लगातार छात्राहित में ऐसे आयोजन किये जाते है जिसमें रेगुलर कोर्स के साथ-साथ छात्राओं के लिये काउन्सलिंग की जाती है जिससे वे भविष्य में अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का उचित निर्वाह कर श्रेष्ठ नागरिक सिद्ध हो सके।

अवेरनेस कैम्पेन

''रक्तदान-महादान''

महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं यूथ रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वाधान में ''रक्तदान-महादान'' जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ श्री सुदीप श्रीवास्तव, प्रमुख सलाहकार, राज्य रेडक्रॉस सोसायटी, रायपुर छत्तीसगढ़, सुश्री नीतू मंडावी, प्रभारी राज्य एड्स कन्ट्रोल रायपुर छत्तीसगढ़ उपस्थित थे। संयोजक एवं यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि रक्तदान से संबंधित भ्रांतियों को दूर कर इस शुभ दान की ओर प्रेरित करने हेतु, यह आयोजन किया गया है क्योंकि आमतौर पर यह माना जाता है कि रक्तदान से शारीरिक कमजोरी आ जाती है परन्तु कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़ दे तो सभी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकते है।

कार्यक्रम के मार्गदर्शक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि - रक्तदान ऐसा दान है जो हर कोई कर सकता है परंतु इसके लिए पहले स्वयं का स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है। रक्तदान से जीवनदान दिया जा सकता है।

रेडक्रॉस वालेन्टियर कु. रानू टिकरिया ने कहा कि रक्तदान से किसी व्यक्ति की जान बच सकती है, युवा पीढ़ी भली-भांति जान ले कि रक्तदान के तुरन्त बाद ही शरीर में बोनमेरू नये टिशू बनाते है अतः जागरूक एवं सशक्त बनकर हमें रक्त दान करना चाहिए।

सुश्री नीतू मण्डावी ने कहा कि - एच.आई.वी. फैलने के चार कारणों में से एक प्रमुख इनफेक्टेड ब्लड है साथ ही निडिल, सीरिंज, इन्फेक्टेड माँ से बच्चों को एवं असुरक्षित यौन संबंध है।

श्री सुदीप श्रीवास्तव ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना चाहिये क्योंकि रक्तदान करने से डर जागरूकता की कमी है। परन्तु रक्तदान करने से पहले जांच होती है ततपश्चात् ही रक्त लिया जाता है। उन्होनें छात्राओं को उत्साहित करते हुए रक्तदान हेतु प्रेरित किया।

श्रीमती ज्योति भरणे ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

महाविद्यालय की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में हैट्रिक

महाविद्यालय द्वारा आयोजित सेक्टर स्तरीय महाविधालयीन महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन फाइनल मैच खेला गया शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग विरुद्ध शासकीय वैशालीनगर महाविद्यालय दुर्ग के मध्य खेला गया, जिसमें शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग 25-08,25-18 लगातार सेट जीत कर विजेता रही,कन्या महाविद्यालय लगातार तीसरे वर्ष विजेता रही। पूरी प्रतियोगिता में कन्या महाविद्यालय की टीम का दबदबा रहा, महाविद्यालय की टीम इस प्रकार थी-मनीष(कप्तान), सारिका मीना,मनदीप कौर,सुषमा शिखा,वैष्णवी साहू,प्रगति बाघ, मिन्हज निशा, कविता, रीना, मैनेजर डॉ सुचित्रा खोबरागड़े प्रशिक्षक डॉ ऋतु दुबे।प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि थे माननीय श्री डॉ निर्मल सिंह प्राध्यापक बीआईटी विशेष अतिथि सुश्री लता चंदेल थे ।

अथितियों के परिचय पश्चात मैच आरंभ हुआ।प्रतियोगिता के अंत मे पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ निर्मल सिंह, श्री अब्दुल महमूद,लता चंदेल, ने विजेता उपविजेता खिलाड़ियों को ट्राफी एवं प्रमाण पत्र दे सम्मानित किया । प्रतियोगिता के निर्णायक थे ।

श्री ओ पी सिंह,श्री सुरेंद्र पाल सिंह, श्री लल्लन सिंह, श्री कुंडल राव।इस अवसर पर चिन्हित महाविद्यालय की क्रीड़ा अधिकारी डॉ अब्दुल महमूद,डॉ प्रमोद यादव, डॉ यशवंत देशमुख डॉक्टर ईश्वर सिंह जमाल बाबू अर्चना षडंगी, डॉ सुनीता झा, सोनाली साव, डॉ अजय लांजेवार ,डॉ अनुजा चौहान उपस्थित थे। श्री विजय चन्द्राकर,श्री बल्ला वैष्णव ने प्रतियोगिता आयोजन में सहयोग दिया। उपरोक्त जानकारी डॉ ऋतु दुबे आयोजन सचिव ने दी।

तीज मिलन समारोह आयोजित

महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सभी महिला प्राध्यापकों ने रंग-बिरंगे परिधान में अपनी सहभागिता दी।

महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने संचालन करते हुए बताया कि हमारा देश और हमारा प्रदेश विभिन्न सांस्कृतिक एवं पारम्परिक अवसरों का खजाना है। इन पारम्परिक त्यौहारों के जरिये हम सौहाद्र एवं आपसी सद्भाव का आदान-प्रदान करते है। महिला प्रकोष्ठ इन सभी त्योहारों को मिल-जुलकर मनाता है। इसी कड़ी में तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे देश में तीज त्यौहार की सांस्कृतिक परम्परा चली आ रही है, खास तौर पर सुहागिनों का त्योहार तीज हमारे प्रदेश में परंपरागत रूप से मनाया जाता है। हमारे महाविद्यालय की महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत प्रशंसनीय है।

संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि आज का दिन लाल, पीले और हरे रंग के परिधान के साथ सोलह-श्रृंगार के साथ सुनिश्चित किया गया। आयोजन में फैशन शो (रैम्प वॉक) के साथ ही सांस्कृतिक आयोजन किये गये। डॉ. सीमा अग्रवाल ने हरलातिका तीज की कथा वृतांत एवं महत्व बताया। डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने छत्तीसगढ़ी भाषा में यहाँ की सांस्कृतिक परंपरा का वर्णन किया। इसके पश्चात् सभी महिला प्राध्यापकों ने नृत्य एवं गायन के माध्यम से अपनी खुशी को व्यक्त किया। डॉ. ऋतु दुबे ने घूमर नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. सुनीता गुप्ता ने किया।

गर्ल्स कॉलेज में गरबा की धूम

महाविद्यालय में नवरात्रि के उपलक्ष्य में देशी डे का आयोजन किया गया। नृत्य विभाग के द्वारा गरबा स्पर्धा आयोजित की गयी। जिसमें 15 समूहों ने भाग लिया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि प्रतियोगिता में शामिल समूहों में मयूरी, शक्ति, संस्कृति, घूमरगरबा, रास गरबा, मधुरिमा, विनिता, श्रद्धा, नृत्यांजली, शुभारम्भ, रंगीला, अप्सरा, मृगनयनी, गरबारास, ढोलीदा ने खूब रंग जमाया। समारोह का उद्घाटन जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा ने द्वीप प्रज्जवलित कर किया। श्रीमती मिश्रा ने समस्त छात्राओं को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी एवं सशक्त तथा प्रेरक भूमिका निर्वहन करने का आव्हान किया। स्पर्धा में एक से बढ़कर एक गरबा की प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने पुरस्कार दिया। प्रथम स्थान पर विनीता भारती समूह रहा। तथा द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः अप्सरा, मृगनयनी एवं ढोलीदा समूह रहा। सांत्वना पुरस्कार रासगरबा समूह को दिया गया। इस अवसर पर समाजसेवी श्रीमती अनिता शर्मा, श्रीमती कंचन सक्सेना के साथ ही प्राध्यापक, अभिभावक एवं मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, प्राचार्य, शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रकाशित तथा विकल्प विमर्श, रायपुर द्वारा मुद्रित। (केवल आंतरिक वितरण हेतु)
फोन 0788-2212207 **फैक्स** 0788 2212207 **Email**- govtgirlspgcollege@gmail.com , **Website** : www.govt.girlspgcollegedurg.com